लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था पुलिस के 85 हजार अधिकारी-जवान सम्भालेंगे जिम्मा : साहू

जयपुर। राजस्थान पुलिस द्वारा द्वितीय चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों पाली, जोधपुर, बाड़मेर-जैसलमेर, जालोर सिरोही, राजसमंद, उदयपुर, बांसवाड़ा-डूंगरपुर, चित्तौड़गढ, कोटा-बूंदी, झालावाड़-बारां, टोंक-सवाईमाधोपुर, अजमेर एवं भीलवाड़ा में भय मुक्त वातावरण में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने बताया कि द्वितीय चरण में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजस्थान पुलिस बल के साथ केन्द्रीय सशस्त्र सशस्त्र बलों की कम्पनियां और होमगार्ड्स के जवानों को तैनात किया गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान पुलिस करीब 85 हजार अधिकारी एवं जवानों के अलावा केन्द्रीय सशस्त्र बल और विशेष सशस्त्र बल की 175 कम्पनियाँ, राजस्थान शहरी-ग्रामीण होमगार्ड के 18 हजार 400 तथा बोर्डर होमगार्ड के 1600 जवानों को फील्ड में तैनात किया गया है।

साहू ने प्रदेश में लोकसभा चुनावों के द्वितीय चरण में 13 निर्वाचन क्षेत्रों में शांतिपूर्ण तरीके से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की करते हुए कहा कि सभी मतदाता बिना किसी दबाव या प्रलोभन के निर्भय होकर जिम्मेदार नागरिक के रूप में लोकतंत्र के पर्व में अपनी भूमिका सजगता से निभाएं। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 24 पुलिस जिलों के तहत 28 हजार 105 मतदान केन्द्र और 651 सहायक मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इन मतदान केन्द्रों में से क्रिटीकल और कानून एवं व्यवस्था की दृष्टि से संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों, होमगार्ड्स, आरएसी तथा केन्द्रीय सशस्त्र बलों के जवानों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नॉर्म के अनुसार तैनात किया गया है।

मतदान बूथों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

डीजीपी ने बताया कि इन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के प्रत्येक मतदान केन्द्र पर एक पुलिसकर्मी को नियोजित किया गया है, जो मतदाताओं की कतार बनवाने, अनुमत पहचान पत्र की प्राथमिक जांच के बाद मतदाता को मतदान केन्द्र में प्रवेश देने, मतदान केन्द्र पर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने और चुनाव प्रक्रिया के दौरान ईवीएम को सुरक्षा प्रदान करेंगे। मतदाताओं की भीड़ नियंत्रण के लिए 2 या 3 मतदान केन्द्रों वाले पोलिंग स्टेशन लोकेशन (पीएसएल) पर एक अतिरिक्त होमगार्ड तथा 4 या अधिक मतदान केन्द्रों वाले पीएसएल पर दो अतिरिक्त होमगार्ड्स लगाए गए है। वहीं सहायक मतदान केन्द्रों पर एक-एक होमगार्ड लगाया गया है। उन्होंने बताया कि क्रिटीकल मतदान केन्द्रों के अतिरिक्त प्रत्येक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में स्थानीय कानून व्यवस्था की स्थिति के आंकलन के आधार पर संवेदनशील मतदान केन्द्रों की नई श्रेणी %लॉ एंड आर्डर संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर भी 1-2 आरएसी के जवान या सशस्त्र पुलिस बल को तैनात किया गया है।

विशेष पर्यवेक्षण के लिए पुलिस अधिकारियों को जिम्मा

साहू ने बताया कि इसके अतिरिक्त सामान्यतः 10 मतदान केन्द्रों पर पुलिस मोबाईल पार्टी के तहत सैक्टर पुलिस आफिसर्स तैनात किए गए है, इनके साथ पुलिस एवं होमगार्ड का जाप्ता लगाया गया है, वहीं सैक्टर मजिस्ट्रेट को भी एक-एक होमगार्ड उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही फ्लाईंग स्क्वाड टीमों और स्टैटिक सर्विलांस टीमों (एफएसटी एवं एसएसटी) को भी पुलिस जाप्ता दिया गया है। जिला पुलिस अधीक्षकों को त्वरित कार्यवाही दल (क्यूआरटी), स्ट्राइक फोर्स एवं क्रिटीकल कलस्टर मोबाईल टीमों को रणनीतिक रूप से नियोजित कर क्षेत्र में निरंतर भ्रमण करते हुए सघन पर्यवेक्षण के लिए पाबंद किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित विधानसभा क्षेत्रों में डीएसपी या सीआई रैंक के पुलिस अधिकारियों को पुलिस पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त करते हुए उन्हें भी पुलिसकर्मी व होमगार्ड (कुल 05 कर्मी) व 1 सैक्शन आरएसी का जाप्ता दिया गया है। वहीं लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में स्थित सभी विधानसभा क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों को मय पुलिसकर्मी व होमगार्ड (कुल 05 कर्मी) जाप्ता व रिजर्व जाप्ता के विधानसभा पर्यवेक्षक अधिकारी का जिम्मा भी सौंपा गया है। इन सभी पुलिस अधिकारियों को परस्पर सतत समन्वय से शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

27 से पड़ोसी राज्यों में चुनाव प्रचार का जिम्मा संभालेंगे मुख्यमंत्री भजन लाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अब पड़ोसी राज्यों में चुनावों की बागडोर संभालेंगे। राजस्थान में दूसरे चरण का आज शाम को प्रचार प्रसार बंद हो जाएगा। बीजेपी आलाकमान से सीएम के चुनाव प्रचार का कार्यक्रम तय होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री यूपी, एमपी, गुजरात, पंजाब, हरियाणा के साथ ही जिन जिन राज्यों में राजस्थान के प्रवासियों की संख्या अधिक है, वहां पर भी चुनाव प्रचार करेंगे।

मुख्यमंत्री 27 तारीख से चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगे। ऐसे में बताया जा रहा है कि करीब एक दर्जन राज्यों में मुख्यमंत्री की चुनावी जनसभाएं आयोजित की जाएंगी।

ऑफिस में घुस महिला कर्मचारी से लूट ले गए 15 लाख रुपए

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में दो बदमाश डियर पार्क के सामने स्थित केसी भवन की पहली मंजिल पर ऑफिस में काम कर रही दो महिलाओं को पिस्टल दिखाकर तिजौरी में रखे 15 लाख रुपए लूट ले गए। सूचना मिलने के बाद डीसीपी (साउथ) दिगंत आनंद, एडीसीपी पारस जैन, एसीपी बालाराम मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार घटना के समय भवन मालिक जयपुर से बाहर गए हुए थे। इस भवन में अन्य किराएदार भी है, जिन्होंने ऑफिस खोल रखे हैं। भवन की देखरेख और किराया कलेक्शन के लिए दो महिलाएं ऑफिस में बैठती है। शाम करीब 5:30 बजे ऑफिस में दो बदमाश आए। एक बदमाश ने हेलमेट लगा रखा था और एक ने मास्क लगा रखा था। उस समय महिला कर्मचारी शिप्रा और संतोष काम कर रही थी। तभी दोनों बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर चिल्लाने पर जाने से मारने की धमकी देते हुए तिजौरी की चाबी मांगी। उसके बाद दोनों तिजौरी में रखे 15 लाख रुपए लूटकर चले गए। बदमाश करीब 15 मिनट तक यहीं रहे।

परेशानी: सहरिया इलाकों में नही है दमकल

राजपुर। राजपुर सहित आसपास के सहरिया क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में एक भी दमकल नहीं है। ऐसे में जब आगजनी की घटनाएं होती है तो समय पर आग न बुझा पाने से भारी तबाही होती है। वन क्षेत्र में वन संपदा और वन्यजीवों को नुकसान होता है। आबादी में भी आग को बुझाने के लिए फायर बिग्रेड की कमी से कई बार लाखों का नुकसान हो जाता है। कहने को तो शाहबाद मुख्यालय है लेकिन उपखंड मुख्यालय इलाके में कई मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। ऐसे में क्षेत्र के लोगों को सुविधाओं के लिए वर्षों से तरसना पड़ रहा है। उपखंड मुख्यालय के तहत कई ग्राम पंचायत मुख्यालय जुड़े हुए हैं लेकिन सबसे बड़ी बात तो यह है कि गर्मी का मौसम शुरू होते ही हर वर्ष शाहबाद क्षेत्र के जंगलों में आगजनी की घटनाएं आए दिन देखने को मिलती हैं तथा आबादी क्षेत्र में आगजनी की घटना होती रहती हैं। इसी को लेकर लंबे समय से क्षेत्र के लोग दमकल की मांग लंबे समय से करते आ रहे हैं लेकिन अभी तक लोगों की मांग पूरी नहीं हुई है। उपखंड मुख्यालय पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी नहीं होने के चलते क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं घातक होती हैं तो दौरान भारी नुकसान झेलना पड़ता है। उस समय फायर ब्रिगेड की कमी क्षेत्रवासियों को खलती है।

सचिन शुक्ला, डेविड भार्गव, हेमराज नामदेव, जितेंद्र राठौर, हेमंत खत्री, अखिलेश भार्गव आदि ने बताया है कि उपखंड मुख्यालय पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी लगाने की मांग क्षेत्र के लोग लंबे समय से करते आ रहे हैं लेकिन जब भी क्षेत्र में कोई जनप्रतिनिधि आते हैं तो इस मांग को कई बार उनके सामने रखा है लेकिन झूठे आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला है। अभी क्षेत्र में बीते 8 दिनों से आगजनी की घटनाएं ज्यादा हो रही है। शाहबाद के जंगलों में बीते दो दोनों में भयंकर आग का तांडव देखने को मिला है जिसमें पर्यावरण को काफी नुकसान हुआ है। वही प्रशासन में आम लोगों को भी परेशानी का सामना इस दौरान करना पड़ा है। इस भयंकर आग के तांडव की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल चुकी थी इसको लेकर मौके पर जिला कलक्टर सहित प्रशासनिक अमला की घटना स्थल पर पहुंचा लेकिन इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद भी कोई सबक लेता नजर नहीं आ रहा है क्षेत्र में जब भी आज जाने की घटनाएं देखने को मिलती हैं तो कई पीड़ित परिवारों का फायर ब्रिगेड की कमी के चलते काफी नुकसान हो जाता है। अगर उपखंड मुख्यालय पर प्रशासन फायर ब्रिगेड की सुविधा उपलब्ध कराए तो कई लोगों को राहत मिलेगी। क्षेत्र के लोगों ने उपखंड मुख्यालय को फायर ब्रिगेड की गाड़ी लगाने की मांग क्षेत्रीय विधायक ललित मीणा और जिला कलक्टर से की है।

शाहबाद सहरिया क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं घटित होती रहती हैं। इसको लेकर प्रशासन जन प्रतिनिधियों को ध्यान देना चाहिए और उपखंड मुख्यालय पर फायर ब्रिगेड गाड़ी की सुविधा करवाना चाहिए।

- कल्लाराम प्रजापत

दमकल की कमी आगजनी की घटना होने पर खलती इलाके में सुविधा होनी चाहिए किसी भी फंड से दमकल की सुविधा सहरिया इलाके में मुहैया करानी चाहिए।

- राहुल शर्मा, दुकानदार

फायर बिग्रेड की मांग लम्बे समय से लोग करते आ रहे हैं तहसील व उपतहसील मुख्यालय पर ये सुविधा नही हैं। सहरिया परियोजना विभाग,विधायक कोष के फंड से फायर बिग्रेड की गाड़ी मिलना चाहिए।

- ओमप्रकाश वशिष्ठ, किसान

विधानसभा क्षेत्र में आगजनी की घटनाएं होती हैं तो दमकल की कमी खलती है। आगजनी की घटना होने पर कई लोगों को काफी नुकसान झेलना पड़ता है। उपखंड मुख्यालय पर प्रशासन को फायर ब्रिगेड की सुविधा मुहैया करवाना चाहिए।

- अखिलेश भार्गव, ग्रामीण।

शासन सचिव ने फिर किया जलभवन का औचक निरीक्षण - 11 अनुपस्थित मिले, चार को नोटिस

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा बुधवार को एक बार फिर से जलभवन के औचक निरीक्षण पर पहुंच गए। सुबह 9.30 बजे डॉ. शर्मा जैसे ही जलभवन पहुंचे वैसे ही वहां खलबली मच गई। जलभवन पहुंचते ही डॉ. शर्मा ने सभी मुख्य अभियन्ता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता के अधीन कार्य करने वाले अधिकारियों व कार्मिकों की उपस्थिति का निरीक्षण किया जिसमें 407 में से 11 कार्मिक अनुपस्थित मिले और बिना जायज कारण के अनुपस्थित चार कार्मिकों को नोटिस थमा दिया।

इनमें वरिष्ठ सहायक राजेन्द्र प्रसाद गुर्जर और कनिष्ठ सहायक कुनाल सिंह डूडी, नेहा शर्मा, मुकेश मेहरा के खिलाफ मुख्य अभियन्ता (प्रशासन) को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए जिसकी अनुपालना में मुख्य अभियन्ता प्रशासन ने नोटिस जारी कर दिए। वहीं शासन सचिव ने सिरोही जिले में पाली संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत कार्यालय के औचक निरीक्षण में अनुपस्थित पाए गए 13 अधिकारियों और कर्मचारियों को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। पेंडिंग फाइल्स की हकीकत जानीः डॉ. शर्मा ने कई अधिकारियों और कार्मिकों के कक्ष में जाकर उनके द्वारा निस्तारित की जाने वाली फाइलों की समीक्षा की एवं कुछ अधिकारियों के कम्प्यूटर खुलवाकर उसमें पेन्डिंग ई-फाइल्स की जांच की। सभी फिजीकल फाइलों को इलेक्ट्रोनिक फाइलों में परिवर्तित करने और उसी दिन निस्तारित करने के निर्देश दिए।

मोबाइल अटेंडेंस मैनेजमेंट सिस्टम में दर्ज होगी उपस्थिति

मुख्य सचिव के निर्देशानुसार विभाग ने अधिकारियों एवं कार्मिकों की कार्यस्थल पर समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए राज एएमएस मोबाईल आधारित मार्क इन एवं मार्क आउट की व्यवस्था लागू करने के लिए दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। अब तक कुल 1101 कार्यालयों एवं उनमें कार्यरत 5102 अधिकारियों व कार्मिकों की मैपिंग भी की जा चुकी है। इसका ट्रायल चल रहा है। प्रतिदिन लगभग 4000 कार्मिकों द्वारा इसके माध्यम से उपस्थिति मार्क की जा रही है। इस व्यवस्था को एक मई से लागू करने का निर्णय लिया गया है।

फोन टेपिंग विवाद में लोकेश शर्मा ने किया खुलासा, मुझे अशोक गहलोत ने उपलब्ध कराई थी रिकॉर्डिंग

जयपुर। गहलोत सरकार में सियासी संकट के दौरान फोन टेपिंग विवाद में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने बड़ा खुलासा किया है। शर्मा ने कथित फोन टैपिंग प्रकरण को लेकर खुलासा करते हुए कहा कि उस समय खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुझे सारी रिकॉर्डिंग दी थी। मुझे सोशल मीडिया से नहीं मिली थी। इसके लिए लोकेश शर्मा ने अशोक गहलोत और खुद के बीच हुई बातचीत का ऑडियो भी सुनाया। यह कथित तौर पर विधायकों की खरीद फरोख्त से जुड़ा ऑडियो प्रकरण था। शर्मा ने कहा की जिस मोबाइल से ऑडियो भेजे गए थे, उस मोबाइल को भी डिस्ट्रॉय करने को अशोक गहलोत ने कहा था।

उनको शक था कि मैने मोबाइल डिस्ट्रॉय नहीं किया था, उन्होंने मेरे ऑफिस पर एसओजी की रेड करवाई। गहलोत केवल लोगो को यूज करते और काम निकलने के बाद उसका हाल भी नहीं पूछते है। फोन टैपिंग के बाद जब मुझ पर एफआईआर हुई, तब उन्होंने कहा था की सुप्रीम कोर्ट तक लड़ेंगे। दिल्ली पुलिस की प्रताड़ना झेल रहा हूं, अब उन्होंने मुझे अकेला छोड़ दिया। शर्मा ने कहा की पेपर लीक मामले में डीपी जारोली को अशोक गहलोत ने बचाने का काम किया। वर्तमान सरकार इस मामले की निष्पक्ष जांच कराएं। मेरे पास जो भी सबूत है, मैं देने को तैयार हूं। 25 सितंबर की घटना पर लोकेश शर्मा ने कहा कि जिस गहलोत को पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना चाहती थी, उसी पार्टी के आलाकमान को गहलोत ने अंधेरे में रखा और मेरे जरिए मीडिया में खबर चलवाई कि शांति धारीवाल के आवास पर जितने भी विधायक मौजूद है, उनमें से किसी को भी मुखमंत्री बना दो, लेकिन सचिन पायलट स्वीकार्य नहीं है।

तेज रफ्तार वाहन आए दिन उजाड़ रहे घरों के चिराग

कोटा। केस 1 - कोटा में आरएसी की सेकंड बटालियन में पोस्टेड आरपीएस राजेंद्र गुर्जर और बेंगू डीएसपी अंजलि सिंह 29 मार्च को कोटा से चित्तौड़गढ़ जा रहे थे। जहां राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर धनेश्वर के पास तेज रफ्तार से जाते ट्रोले ने उनकी गाड़ी को टक्कर मारते हुए कुचल दिया था। जिसमें प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन के दोनों गेट बुरी तरह से फंस गए थे, जिन्हें तोड़ कर दोनों को घायल को बाहर निकाला गया। हादसे में आरपीएस राजेंद्र गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई थी वहीं डीएसपी अंजलि मीणा बुरी तरह घायल हो गई थी।

केस 2 - कोटा के देवली मांझी थाना क्षेत्र में 28 नवंबर 2022 को शादी से लौट रहे दोस्तों की कार को ईंटों से भरे ट्रक ने टक्कर मार दी थी जिसमें दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई थी और तीन जने गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसा तब हुआ जब बोरखेड़ा निवासी राधेश्याम और महावीर नगर निवासी पुनीत सक्सेना सहित पांच जन कार में सवार थे। पांचों सांगोद से अपने दोस्त की शादी में शामिल होकर लौट रहे थे। जहां देवली मांझी थाने से कुछ ही दूरी पर ईंटों से भरे ट्रक ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राधेश्याम पीछे की सीट पर बैठे थे जो टक्कर के बाद कार के सामने का शीशा तोड़ कर बाहर निकल गए। जहां राधेश्याम और पुनीत की मौके पर ही मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

केस 3 - दो दिन पहले भी झालावाड़ जिले के अकलेरा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में एक साथ 9 दोस्तों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। अकलेरा के रहने वाले 10 जने रविवार को मध्यप्रदेश के खिचलीपुर से शादी समारोह में भाग लेकर वापस अकलेरा लौट रहे थे। इसी दौरान अकलेरा से पास पचोला गांव में हाइवे पर चढ़ते समय एक तेज रफ्तार से ला रहे ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें 10 में से 9 दोस्तों की मौके पर ही जान चली गई वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक इलाके से एक साथ 9 जनों की अर्थी उठने से पूरे इलाके में मातम पसर गया। हादसे में घायल सभी खास दोस्त थे जो अपने ही मित्र की शादी से लौट रहे थे।

झालावाड़ जिले के अकलेरा कस्बे में पचोला गांव के पास रविवार को शादी से लौट रहे दस युवकों की वैन तेज रफ्तार ट्रक के साथ हुई भिड़ंत में 9 दोस्तों की मौत हो गई और एक घायल अभी भी गंभीर अवस्था में है। झालावाड़ के अलावा हाड़ौती में कई शहरी ईलाकें ऐसे हैं जहां अभी भी भारी वाहनों का आवागमन रहता है। इन भारी वाहनों के आवागमन से आए दिन हादसों की खबरें आती रहती जिनमें वाहन चालक के गंभीर घायल होने से लेकर उनकी मौत तक हो जाती है। इन भारी वाहनों में कई बार चालक क्षमता से अधिक माल की ढुलाई करते हैं। जो इनसे होनी वाली दुर्घटनाओं को और घातक बना देते हैं। शहर में कई इलाके ऐसे हैं जहां ये भारी वाहन आज भी तेज रफ्तार के साथ गुजरते हैं, जो खुद के साथ साथ दूसरों की जिंदगी को भी खतरे में डाल रहे हैं।

तेज रफ्तार वाहन ने छीनी कई जिंदगियां

कोटा सहित आसपास के कई इलाकों में आए दिन कहीं न कहीं से ट्रक या डंपर द्वारा वाहनों के कुचलने जाने की खबरें आना आम बात हो गई है। ऐसे ही कई घटनाओं में सैंकड़ों घरों के चिराग बुझ चुके हैं लेकिन इन हादसों पर किसी तरह की लगाम नहीं लग पाई है।

घनी आबादी वाले इलाकों से गुजरते हैं भारी वाहन

कोटा शहर में भी कई इलाके ऐसे हैं जहां आज भी भारी वाहनों का आवागमन होता है। प्रतिबंध के बाद भी शहर के नांता क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र, नया नोहरा और रायपुरा में आज भी दिन भर भारी वाहनों का आवागमन रहता है। औद्योगिक क्षेत्र में प्रेम नगर, कंसुआ, डीसीएम इलाकों में करीब एक लाख की आबादी रहती है। इस इलाके में अनंतपुरा से डीसीएम चौराहे तक कोटा स्टोन की फैक्ट्रियों और भामाशाह मंडी में आने वाले ट्रक दिन भर दौड़ते रहते हैं। इस इलाके में कई बाद हादसे हो चुके हैं लेकिन स्थिति अभी भी वही है। वहीं नांता क्षेत्र में भी पत्थर और कोयले की राख से भरे ट्रक तेज रफ्तार से चलते नजर आ जाएंगे जो हर वक्त हादसों को न्यौता दे रहे हैं। यही कहानी रापुरा और नया नोहरा इलाके की है जहां भी भारी वाहन तेज रफ्तार से दौड़ते नजर आ जाएंगे।

बायपास और लिंक बने तो घटे संख्या

कोटा शहर से उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर दो राष्ट्रीय राजमार्ग 27 और 52 गुजरते हैं। इनमें बूंदी की ओर से आने वाहनों को झालावाड़ की ओर जाने के लिए तो बाई मौजूद है लेकिन बूंदी से बारां की ओर जाने वाले वाहनों को शहर के अंदर से होकर जाना पड़ता है। वहीं बारां से केशोराय पाटन की ओर तथा केशवराय पाटन से झालावाड़ की और जाने वाले वाहनों को शहर के अंदर से गुजरना पड़ता है जिससे शहर की सड़कों पर भारी वाहनों की संख्या बढ़ जाती है। वहीं औद्योगिक क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए कोई बेहतर कनेक्टीविटी नहीं होने से उन्हें भी शहर के अंदर आना पड़ता है। शहर के नॉर्दन बाई पास, भामाशाह मंडी और श्रीराम नगर से एनएच 27 तक लिंक रोड बन जाए तो इन वाहनों को शहर के भीतर नहीं आना होगा।

लोगों का कहना है

भारी वाहन तेज रफ्तार में अचानक ब्रेक लगाने पर संतुलन में नहीं आ पाते और अन्य वाहनों से टकरा जाते हैं। घनी आबादी वाले इलाकों में तेज रफ्तार से वाहन चलान वालों के खिलाफ सख्त कारवाई जरूरी है। भारी वाहन की टक्कर से नुकसान भी बहुत होता है।

- जितेंद्र योगी, श्रीराम नगर चालक

चार साल पहले मेरे चाचा की मृत्यु भी ट्रक की टक्कर के कारण हुई थी। जहां झालावाड़ से वापस आते समय जगपुरा के समीप उन्हें तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी थी जिसमें इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया था। तेज रेफ्तार पर वाहनों के खिलाफ कारवाई करनी चाहए और समय होने पर हर शहर के अंदर घुसने देना चाहिए।

- आशीष बसवाल, प्रेम नगर

इनका कहना है

परिवहन विभाग की ओर से तेज रफ्तार से भारी वाहन चलाने वालों के खिलाफ नियमित कारवाई की जाती है। साथ ही नियमित रूप से भारी वाहनों की चैकिंग का कार्य किया जाता है। कोई भी समय से पूर्व शहरी सीमा में आता है तो उस पर कारवाई करने के साथ आवश्यकता होने पर जब्त भी किया जाता है।

- दिनेशसिंह सागर, आरटीओ